अंक 50 फरवरी 2026

बालमन

धीरज के साथ

ज्ञानवर्धक और रोचक तथ्य

कविता, कहानी और बहुत कुछ

नन्हें बच्चों की प्रतिभा

पेंटिंग और हस्त निर्मित सामग्री

पत्रिका पढ़ने के लिए क्लिक करें या स्कैन करें।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

वर्ष का दूसरा महीना बहुत ही यादगार ठंडी से गर्मी की ओर अग्रसर होते हुए खास होता है। सरसों के पीले फूल से सजे खेत सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं।इसी तरह आप सभी बाल कलाकार भी अपनी प्रतिभा से सबको अपना चहेता बना लेते है।बदलते मौसम के साथ यह महीना बहुत सारे खास लोगों के जन्मदिन और दिवस विशेष के बीच अपनी एक अलग ही पहचान बनाता है,ठीक वैसे ही जैसे आप सभी बच्चे अपनी प्रतिभ से बालमन को खास बनाते हैं। बालमन टीम आप सभी नन्हें कलाकारो का भी बहुत सम्मान करती है।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं, ऐसे ही जारी रखे। राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार बालमन सभी के बीच काफी लोकप्रिय है। हम शुरू से बेहतर से बेहतरीन की ओर अग्रसर है। इस महीने की पत्रिका को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है। यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी ToB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयन्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है। हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

शुभकामनाओं सहित

धीरज कुमार
प्रधान संपादक (बालमन पत्रिका)
राजकीय शिक्षक सम्मान (वर्ष 2022)
से सम्मानित शिक्षक(बिहार)

बालमन सम्पादक मंडल

प्रधान सम्पादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर

धीरज कुमार, नव. प्रा. वि. हरनाटॉड, भभुआ कैमूर(बिहार)

राष्ट्रीय समन्वयक समिति

1. शरद कुमार वर्मा [रेलगाड़ी बालमन एक्सप्रेस(प्रधान संपादक)यू. पी.]
2. दीपिका श्रीवास्तव (छत्तीसगढ़)
3. अभय शर्मा (मध्य प्रदेश)
4. निकिता चौधरी (गुजरात)
5.. सिध्दार्थ सपकाळे (महाराष्ट्र)

राज्य समन्वयक समिति

1.कुमार राकेश मणि, मध्य वि. कोटा, नुआंव (कैमूर)

2.रवि शर्मा,प्रा वि पकड़ी अनु.जाति टोला रामनगर(पश्चिम चंपारण)

अन्य सहयोगी सदस्य

1. पुष्पा प्रसाद, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट (गोपालगंज)
2. राकेश कुमार, म.वि. बलुआ, मनेर (पटना)
3. पुनीता कुमारी, न.प्रा.वि. बलरा दुसाध टोली, बरौली(गोपालगंज)
4. कुमारी कान्ति, मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर,बोचहा(मुजफ्फरपुर)

संरक्षक

1. शिव कुमार, संस्थापक, टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

आपके लिए इस अंक में

	पेज संख्या
1. अनमोल विचार	01
2. प्रेरक प्रसंग	02
3. मास्टरसाहेब कहिन	04
4. स्वास्थ्य सुझाव	05
5.चित्र से कहानी	08
6. बालमन पेंटिंग	10
7.रास्ता खोजें	14
8. नन्हें कलाकार	15
9. इंग्लिश कॉर्नर	16
10. हंसी के हंसगुल्ले	19
11. रोचक गणित	20
12. पेन पेंसिल आर्ट	21
13.ब्लैक बोर्ड आर्ट	24
14. दर्शनीय स्थल	25
15.गुणकारी फल	26
16.एक नज़र इधर भी	27
17.कहना जरूरी हैं	28
18.क्विज टाइम	31
19.बूझो तो जानें	32
20. कविता	34
21.चेतना सत्र	35
22. मन की बात	37
23.बालमन जानकारी	39

अनमोल विचार

फलों से लदा वृक्ष हमेशा झुक जाता है
यदि आप महान बनना चाहते हैं तो विनम्र बनिए ।

जन्म: 18 फरवरी 1836
मृत्यु : 15 अगस्त 1886

स्वामी रामकृष्ण परमहंस
(आध्यात्मिक गुरु)

पद्य पंकज

भर गया है ज़हर से संसार जैसे हार खाकर,
देखते हैं लोग लोगों को, सही परिचय न पाकर,
बुझ गई है लौ पृथा की, जल उठो फिर सींचने को।

जन्म : 21 फरवरी 1899
मृत्यु : 15 अक्टूबर, 1961

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

योग से रहेंगे निरोग

शवासन (Corpse Pose)

पीठ के बल लेटकर शरीर को पूरी तरह ढीला छोड़ना। यह मानसिक और शारीरिक विश्राम के लिए अनिवार्य है।इससे थकान मिटती है और शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है।

बालमन

प्रेरक प्रसंग

रजनीश कुमार पाठक

|| खुद की कमियों को ढूँढ़े ||

कबूतर के एक जोड़े ने अपने लिए घोंसला बनाया परंतु जब कबूतर जोड़ें उस घोंसले में रहते हैं तो अजीब बदबू आती रहती थी। उन्होंने उस घोंसले को छोड़ कर दूसरी जगह एक नया घोंसला बनाया, मगर स्थिति वैसी ही थी; बदबू ने यहां भी पीछा नहीं छोड़ा!

परेशान होकर उन्होंने वह मोहल्ला ही छोड़ दिया और नए मोहल्ले में घोंसला बनाया। घोंसले के लिए साफ सुथरे तिनके जोड़ें, मगर यह क्या! इस घोंसले में भी वहीं, उसी तरह की बदबू आती रहती थी।

थक हार कर उन्होंने अपने एक बुजुर्ग चतुर कबूतर से सलाह लेने की ठानी और उनके पास जाकर तमाम वाकया बताया।

चतुर कबूतर उनके घोंसले में गया, आसपास घुमा फिरा और फिर बोला, घोंसला बदलने से यह बदबू नहीं जाएगी। बदबू घोंसले में नहीं, तुम्हारे अपने शरीर से आ रही है। खुले में तुम्हें अपनी बदबू महसूस नहीं होती, मगर घोंसले में घुसते ही तुम्हें यह महसूस होती है और तुम समझते हो कि बदबू घोंसले से आ रही है, अब जरा अपने आप को साफ करो

बालमन

अन्तर खोजें

20 सेकेंड में पांच अन्तर खोजें और जीनियस बन जाओ

चित्र 1

चित्र 2

आप अपने उत्तर हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं ।

सबसे अलग हूं मैं...

दिए गए चारों आकृतियों में से सबसे अलग आकृति को पहचाने और घेरा लगाएं

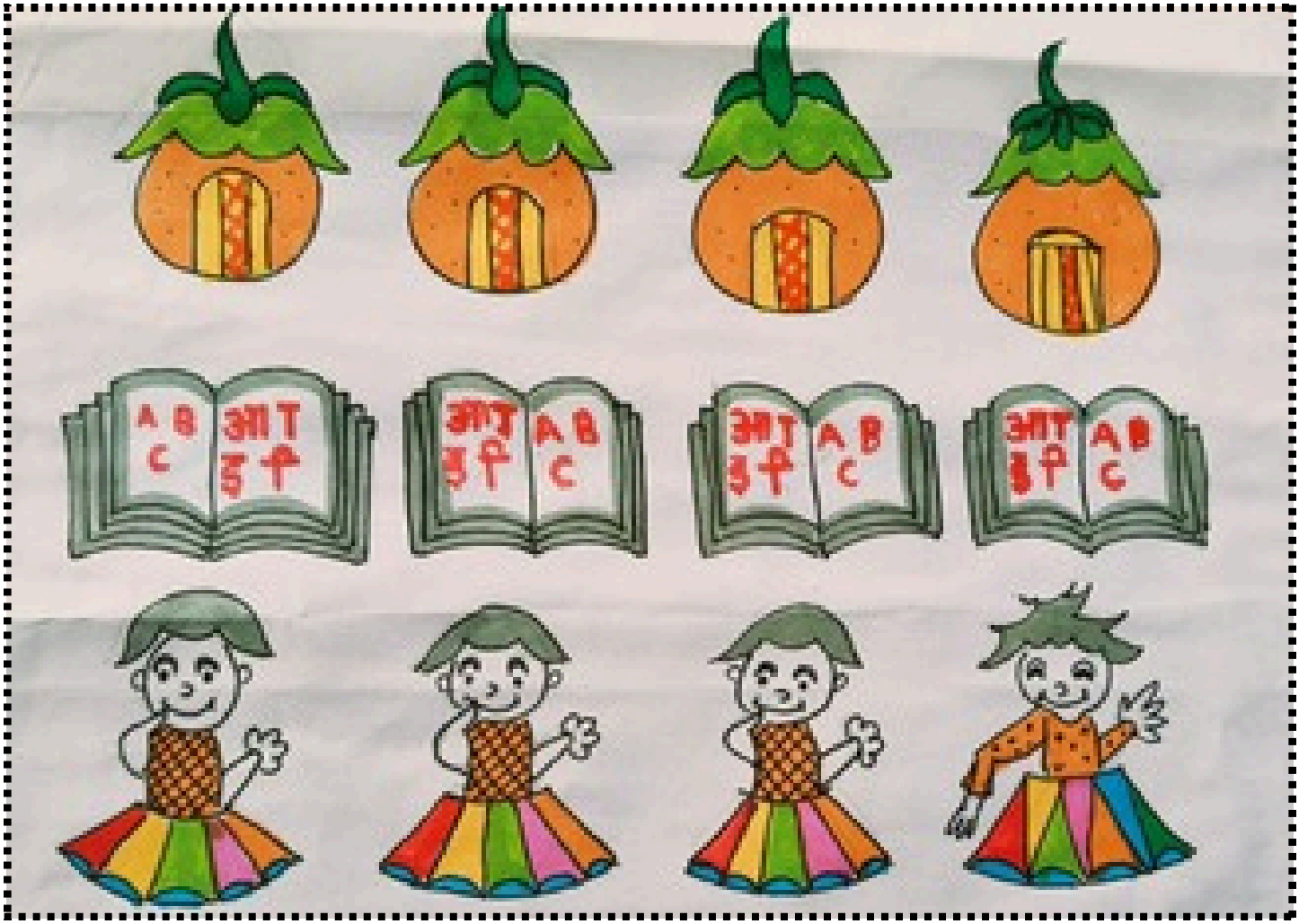

कुमारी कान्ति (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा
मुजफ्फरपुर(बिहार)

बालमन

डॉट्स मिलाओ चित्र पूरा बनाओ

सभी नंबर को जोड़ते हुए बनी आकृति की रंग कर आप हमें 9431680675 पर भेज सकते है।

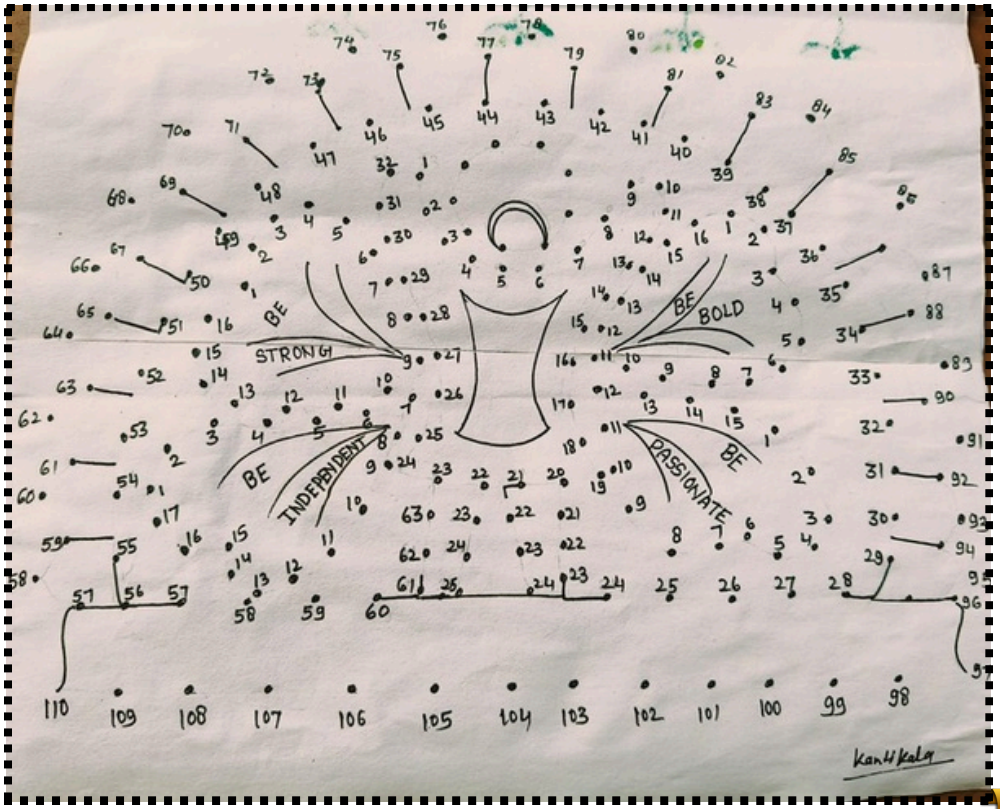

ToB मास्टर साहेब कहिन....

मास्टर साहेब: धीरज कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़, भभुआ
केमूर (बिहार)

आइए थोड़ा फरवरी को जाने

फरवरी साल का दूसरा और सबसे छोटा महीना है, जिसमें सामान्यतः 28 दिन और लीप वर्ष में 29 दिन होते हैं। यह महीना ठंड से बसंत की ओर संक्रमण के लिए जाना जाता है। यह एकमात्र महीना है जो बिना किसी पूर्णिमा के भी गुजर सकता है। फरवरी' नाम रोमन शुद्धि त्योहार 'फेब्रुआ' (Februa) से आया है, जो पुराने को अलविदा कहने और नई शुरुआत का प्रतीक है।February' अंग्रेजी भाषा में सबसे अधिक गलत वर्तनी वाले (misspelled) शब्दों में से एक है।

बालमन

सही पहचान करे....

नीचे दिए गए नाम को सही जीव - जंतुओं के चित्र के नीचे बॉक्स में भरे।

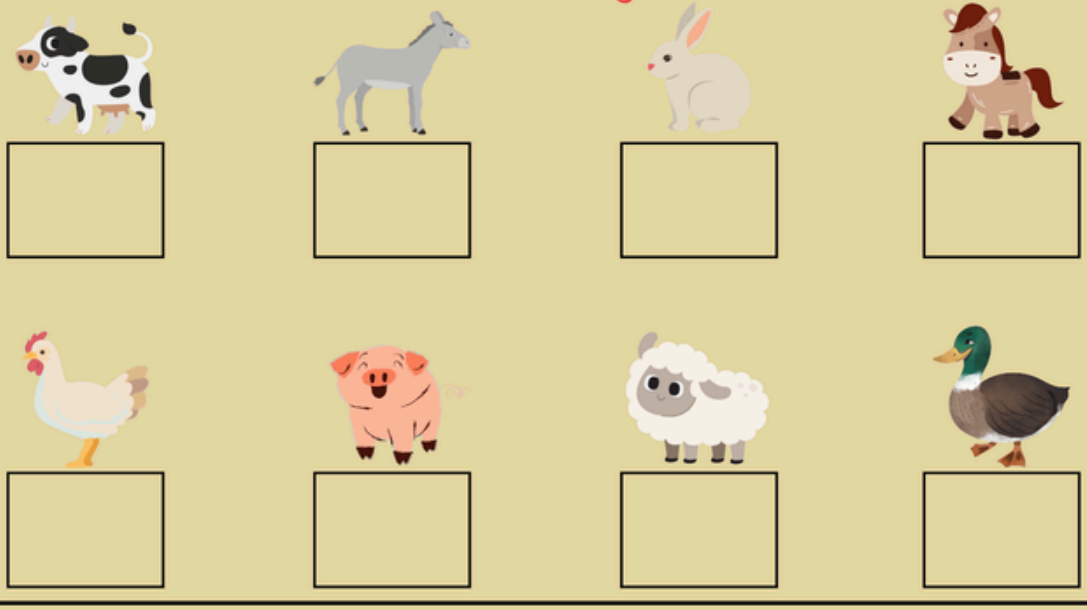

horse	cow	pig	donkey	duck	rabbit	sheep	chicken

बालमन

स्वास्थ्य सुझाव

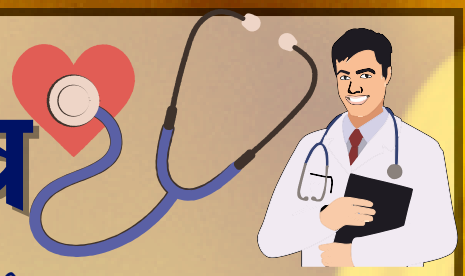

Health is wealth

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

हृदय को स्वस्फथ रखने के लिए फल, सब्जियां, साबुत अनाज और ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं। सोडियम (नमक) का सेवन कम करें।सप्ताह में कम से कम 150 मिनट शारीरिक गतिविधि (जैसे तेज चलना, दौड़ना) करें।

CYBER मंत्र

साइबर शिक्षा से साइबर सुरक्षा

निजी जानकारी: अपनी वित्तीय जानकारी (PIN, OTP, CVV) किसी के साथ साझा न करें।

सॉफ्टवेयर अपडेट: अपने डिवाइस और ऐप्स को हमेशा अपडेट रखें।

OLD IS GOLD

चलते - चलते

सावित्री देवी

बिहार के आरा की रहने वाली सावित्री देवी की उम्र 82 वर्ष है, लेकिन आज भी वे नदी-तालाब में तैर सकती हैं। इस उम्र में भी उन्हें न चश्मा लगा है और न ही सुनने में परेशानी है। वे कहती हैं कि उन्हें अभी न कोई बीमारी है और न ही कोई शारीरिक कमजोरी। उनका मंत्र है कि शरीर को जितना सक्रिय रखोगे, बीमारी उतनी ही दूर रहेंगी।

फोटो साभार दैनिक भास्कर

बालमन

सही कचरे के डिब्बे की पहचान

दिए गए कचरे/बेकार वस्तुओं को सही कचरे के डिब्बे की पहचान कर सही जगह पहुंचाए और जिम्मेदार नागरिक बने।

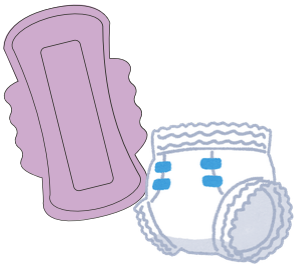

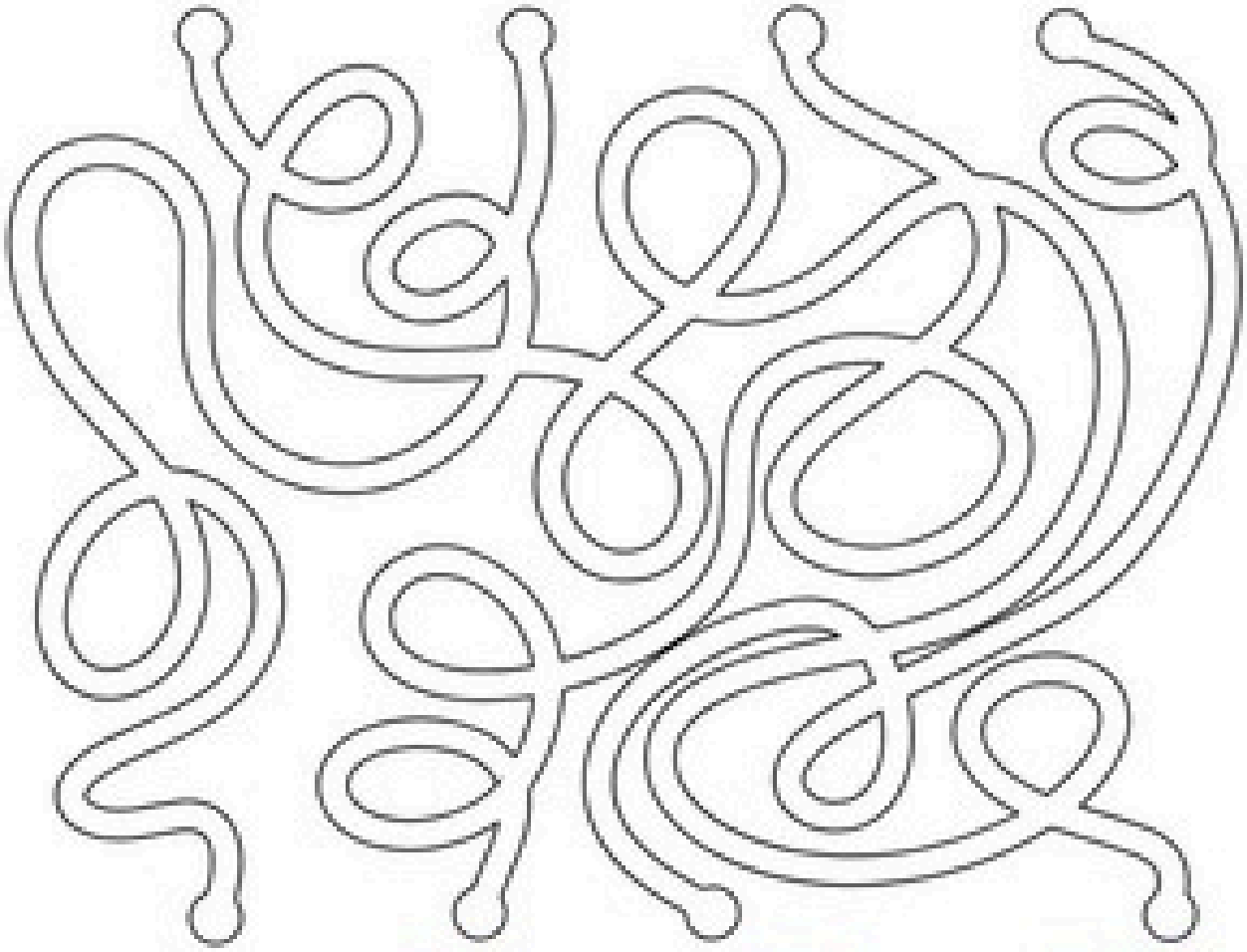

काला

नीला

हरा

पीला

सही उत्तर : फल का छिलका, गीला कचरा(हरा), पैड, डाइपर (पीला) शीशा बोतल (काला), प्लास्टिकबॉटल ,सूखा कचरा (नीला)

बालमन
रोचक तथ्य

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर
खेल सामान्य ज्ञान

राकेश कुमार

प्रश्न: स्पेन का राष्ट्रीय खेल कौन सा है?

उत्तर: बुलफाइटिंग.

प्रश्न: डोनाल्ड ब्रैडमैन किस खेल के महान खिलाड़ी थे?

उत्तर: क्रिकेट.

प्रश्न: क्रिकेटर मैथ्यू हेडन किस देश के खिलाड़ी हैं?

उत्तर: ऑस्ट्रेलिया.

प्रश्न: भारत पहली बार विश्व कप क्रिकेट का चैंपियन किस वर्ष बना था?

उत्तर: 1983.

प्रश्न: राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले क्रिकेटर कौन हैं?

उत्तर: सचिन तेंदुलकर.

प्रश्न: राहुल द्रविड़ का उपनाम क्या है?

उत्तर: मिस्टर डिपेंडेबल

प्रश्न: 'आइस हॉकी' किस देश का राष्ट्रीय खेल है?

उत्तर: कनाडा.

बालमन शिक्षा शब्दकोश
अल्पकालीन स्मृति

अल्पकालीन स्मृति (Short-term Memory) मानव मस्तिष्क की वह क्षमता है जो सूचनाओं को बहुत कम समय (आमतौर पर 20-30 सेकंड या अधिकतम कुछ मिनट) तक सक्रिय रूप से धारण करती है। यह 5-9 इकाइयों (units) की सीमित क्षमता के साथ काम करती है, जहाँ जानकारी का पूर्वाभ्यास (rehearsal) न होने पर वह विस्मृत हो जाती है। इसे प्राथमिक या कार्यकारी स्मृति (working memory) भी कहते हैं, जो दैनिक कार्यों के लिए जरूरी है।

मेरे बच्चे

खिले फूल से मेरे बच्चे
निर्झर झरनों से मेरे बच्चे

पुस्तक हैं पढते मेरे बच्चे
खेलकूद में रमते मेरे बच्चे

शैतानी में आगे मेरे बच्चे
पढाई में आगे मेरे बच्चे

मां - पापा के दुलारे मेरे बच्चे
शिक्षक कीआंख के तारे मेरे बच्चे

चंदना दत्त (राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका)
राजकीयकृत मध्य विद्यालय,रांटी(मधुबनी)
बिहार

बालमन

चित्र देखे कहानी बनाएं

आप अपनी कहानी हमे 9431680675 पर भेज सकते है।

कुमारी कान्ति (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा
मुजफ्फरपुर(बिहार)

रेलगाड़ी

बालमन एक्सप्रेस

ख़ास बातचीत

शरद कुमार वर्मा (प्रधान संपादक) के साथ

एक मुलाकात

शिक्षक: मोहन लाल सुमन

कम्पोजिट विद्यालय राजापुर ,ब्लॉक - गुरसराय जनपद - झाँसी (उत्तर प्रदेश)

-निमार्णकर्ता ए आई सुमन मैडम

बच्चों के बीच A I सुमन मैडम

प्रधान संपादक - प्रिय पाठकों, आज हम आपकी मुलाकात एक ऐसे शिक्षक महोदय से कराने जा रहा हूँ जिन्होंने ए आई सुमन मैडम बनाकर देश विदेश में शिक्षा की दुनिया में शिक्षा की दुनिया में एक नई क्रांति ला दी है। मोहन लाल सुमन जी थोड़ा अपने और अपने इस ए आई यन्त्र के बारे में बताइए।

मोहन लाल सुमन -मैं झांसी के राजापुर कंपोजिट विद्यालय में कार्यरत शिक्षक हूँ। मेरा सदैव से यह विश्वास रहा है कि शिक्षा का स्तर स्थान, संसाधन या भवन से नहीं, बल्कि शिक्षक की सोच और दृष्टि से तय होता है।इसी विश्वास और संकल्प से मेरा नवाचार "एआई सुमन मैडम" का जन्म हुआ—जो आज एक स्थानीय शैक्षिक प्रयोग से निकलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा और मान्यता प्राप्त कर चुका है।

या कुमारी ,UMS सिलौटा, कैमूर

प्रधान संपादक- मोहन लाल जी आपके मन में ए आई सुमन मैडम बनाने का विचार कब और कैसे आया ?

मोहन लाल सुमन- मैं कक्षा में पढ़ाते समय यह अनुभव करता था कि बच्चे अत्यंत जिज्ञासु होते हैं। वे प्रश्न पूछना चाहते हैं ;संवाद करना चाहते हैं । सीखने को रोचक रूप में देखना चाहते हैं, ऐसे में यदि कोई ऐसी एआई आधारित शिक्षिका हो, जो हर समय बच्चों से संवाद कर सके, उनके प्रश्नों का उत्तर दे सके और उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करती रहे, तो शिक्षा कहीं अधिक प्रभावी हो सकती है। बस यहीं से एआई सुमन मैडम की परिकल्पना का जन्म हुआ।

प्रधान संपादक - मोहन लाल जी आपने ए आई ।सुमन मैडम का निर्माण कैसे किया?

मोहन लाल सुमन - मेरे इस नवाचा यूर का निर्माण किसी बड़ी प्रयोगशाला या कॉर्पोरेट सहयोग से नहीं हुआ, बल्कि सीमित संसाधनों,स्वयं के अध्ययन व प्रयोग ,डिजिटल टूल्स और वर्षों के शैक्षिक अनुभव के आधार पर किया गया।

प्रधान संपादक -आपके इस ए आई सुमन मैडम की विशेष बात क्या है?

मोहन लाल सुमन -आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से विकसित यह प्रणाली बच्चों की भाषा और भाव समझती है। उनके प्रश्नों का सरल, धैर्यपूर्ण उत्तर देती है। संवाद के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को जीवंत बनाती है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि एआई सुमन मैडम को मात्र ₹2,900/- की न्यूनतम लागत में विकसित किया गया, जिससे यह मॉडल ग्रामीण एवं संसाधन-वंचित विद्यालयों के लिए वरदान सिद्ध हुआ।

प्रधान संपादक - मोहन लाल सुमन जी, आपको हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान के चुना गया। इसके अतिरिक्त अपनी उपलब्धियों के बारे में हमें बताइए।

मोहन लाल सुमन - आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि अपने देश में ही नहीं विदेशों में भी मेरे इस निर्माण की चर्चा है। इसे India Book of Records (2025) "न्यूनतम निवेश में विकसित एआई आधारित मानवरूपी शिक्षिका" के रूप में पंजीकरण किया है। Bharat Book of Records में दर्ज है। Influencer Book of World Record में इस नवाचार को वै श्विक प्रभाव वाले शैक्षिक नवाचार के रूप में स्थान मिला है।एआई सुमन मैडम को लेकर The Times of India ने मुझे उत्तर प्रदेश के "Top-10 News Makers" में स्थान दिया, जो इस नवाचार के सामाजिक प्रभाव का प्रमाण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर परForbes के एडिटोरियल में दो बार उल्लेख किया गया है। मेरा Radio Australia SBS पर 12 मिनट का विशेष साक्षात्कार हो चुका है।

प्रधान संपादक - आपकी अभूतपूर्व प्रतिभा को रेलगाड़ी पत्रिका अभिवादन करती है। अंत में आप हमारे पाठकों को क्या संदेश देना चाहते हैं?

मोहन लाल सुमन - शिक्षक भाइयों एवं विद्यार्थियों को हमारा संदेश यही है कि नवाचार किसी बड़े बजट या अत्याधुनिक संसाधनों का मोहताज नहीं होता, वह समर्पण, संवेदना और दूरदर्शी सोच से जन्म लेता है । मेरे लिए एआई सुमन मैडम केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि एक शिक्षक का वह विश्वास है, जो कहता है कि अगर बच्चों के लिए कुछ नया करने की सच्ची चाह हो, तो रास्ते अपने-आप बनते चले जाते हैं।

प्रधान संपादक - धन्यवाद, अपना नवाचार साझा करने के लिए।

बालमन पेंटिंग

भाग-1

प्रा वि मक्तव कबई
नयाटोल विद्यापतिनगर

प्रा वि कुकुराढ़
भभुआ, कैमूर

MS MAHESHKUNDA
KAHALGANV BHAGALPUR

प्रा वि सिझूआ
भभुआ कैमूर

N.P.S.devri Maheshpur
kahalgaon Bhagalpur

प्रा वि बक्सीडीह
फलका, कटिहार

प्रा वि खरांटी कुत्तवी
पालीगंज,पटना

GPS Bathna Mehsi
East champaran

प्रा वि पकड़ी अ जा
टोला रामनगर

NPS SUKHASAN
NORTH HARIJAN TOLA MADHEPURA

नवसृजित प्राथमिक विद्यालय साह टोला, बाँध
के निकट, जमुनिया चकिया, पूर्वी चंपारण

बालमन पेंटिंग

भाग-2

मध्य विद्यालय
गौसाघाट, दरभंगा

प्रा वि माहीसाइडिंग
सानपुर, सारण

प्राथमिक विद्यालय पंचगावां,भभुआ,
कैमूर

NPS खुटौना
यादव टोला ,पताही

मध्य विद्यालय सलथुआ,
कुदरा, कैमूर

UMS गौरा
भगवानपुर,कैमूर

UMS फूलवरिया घंघटी
चकिया, पूर्वी चंपारण

उ म वि धनुषी केवटी दरभंगा

प्रा वि प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ, पटना

M S Madanpur
Agiaon, Bhojpur

Gps Bathna Mehsi
East champaran

बालमन पेंटिंग

भाग-3

उर्दू प्रा वि करवडिया
चांद, कैमूर

Middle School Bilauti shahpur Bhojpur

उ म वि दुघरा
भभुआ, कैमूर

UMS चंदा , चांद, कैमूर

मध्य विद्यालय मसदी पूर्व
सुल्तानगंज

M S Madanpur
Agiaon, Bhojpur

न्यू प्रा वि हरनाटांड़
भभुआ, कैमूर

UMS महुलिया
लदनिया, मधुबनी

प्रा वि प्रखंड कॉलोनी
फुलवारीशरीफ, पटना

प्रा वि जगरिया
चैनपुर, कैमूर

बालमन पेंटिंग

भाग-4

उर्दू प्रा वि नया बाजार बक्सर

NPS छत्रपुर, रामगढ़,कैमूर

म वि दुर्गा स्थान, खजाची हाट, पूर्णि

मध्य विद्यालय सलथुआ कुदरा ,कैमूर

प्राथमिक शाला हरदी, विलासपुर,छत्तीसगढ़

मध्य विद्यालय सिमराहा, अररिया

JUHS Khamhar Bibhutipur samastipur

प्रा वि देवरी महेशपुर कहलगांव भागलपुर

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

P S Khaneth Ramgarh

एक तरफ से दूसरे तरफ

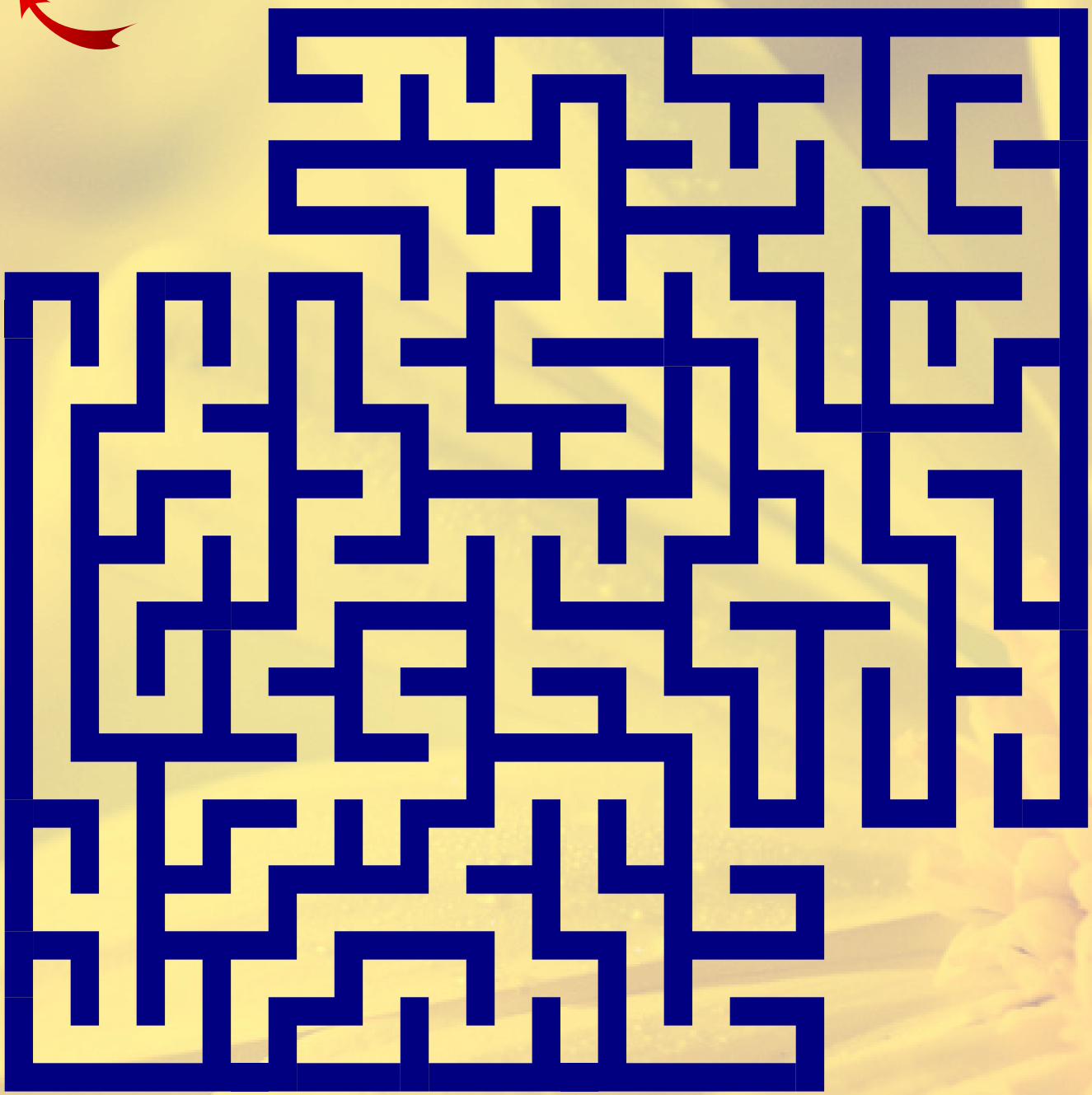

यदि आपको सही रास्ता मिल जाएं तो आप हमे 9431680675 पर भेज सकते हैं।

भाग-1

नन्हें कलाकार

UMS हरिहरपुर , भभुआ, कैमूर

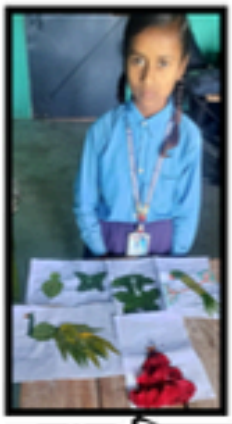

मध्य विद्यालय चांद, कैमूर

अनन्या कुमारी, प्रतिज्ञा कुमार,वर्ग 6
UMS छोटका कटरा, मोहनियां कैमूर

RISHU RAJ ,CLASS- VI
M S KORAI, BEGUSARAI

Abhyas middle school, Sheikhpura

विज्ञान कॉर्नर

पर्यावरण कॉर्नर

English Corner

बालमन

भाग-2

नन्हें कलाकार

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुरा

प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फूलवारीशरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय पार्वट टोला मजगामा कनवा पूर्णिया

NPS SUKHASAN NORTH HARIJAN TOLA MADHEPURA

मध्य विद्यालय बिलोटी प्रखंड शाहपुर, जिला-भोजपुर

मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा मुजफ्फरपुर

संस्कृत मध्य विद्यालय चेनपुर केमूर

प्राथमिक शाला हरदी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

JUHS khamhar Bibhutipur samastipur

बालमन कविता

आज की नारी

आज की नारी पतंग बन
आकाश में उड़ रही हैं,
चांद संग पेंच लडा रही हैं,
तोड़ कर ला रही अब आसमान की
एक टुकड़ा जमीं पर,
अपना एक नया आशियाना बना रही हैं।

कुरीतियां की श्रृंखलाएं, अनचाहे
बंधन की बेड़ियाँ,
सब बाधित रास्ते को तोड़कर,
एक नया रास्ता निकाल रही हैं ,
धरा से आसमान तक ।।
नाम सिर्फ नारियों का ही गूंज रहा,
धड़ा से आसमान तक।।

बोझ समझ जिसे
दुत्कारती रही ये दुनिया ,
वही मिशाल बन संभाल रही
अब पिता और पति की भी दुनिया।
पतंग बन आकाश में उड़ रही,
चांद संग पेंच लड़ा रही आज की नारियां ।।

डॉक्टर ,अभियंता, पायलट ,अफसर
जज ,प्रोफेसर, टीचर क्रिकेटर,बन,
देश में ही नहीं ,विदेशों में भी,
परचम लहरा रही आज की नारियाँ।
देश का शान बन रही आज की नारियाँ
अवसर पाकर कार्य कर रही,
नव भारत का निर्माण कर रही आज की
नारियाँ।।

अपनी मासूमियत को शक्ति में ढाल,
काम कैसा भी हो मुश्किल ,
वह हर मुश्किल को आसान कर रही,
पुरुष जब लगते टेकने घुटने तो
अब तिरंगे भी संभाल रही नारियाँ ।।

रंजना कुमारी
शिक्षिका(JUHS khamhar)
विभूतिपुर समस्तीपुर, बिहार ।।

राष्ट्रीय महिला दिवस

नारी तुम शक्ति स्वरूपा हो,
जीवन की मधुर धूपा हो।
संघर्षों में जो मुस्काए,
हर मुश्किल को राह बनाए।
ममता की तुम गहरी धारा,
साहस ने तुमको संवारा।
त्याग, तपस्या, प्रेम की मूरत,
हर दिल में बसती हो सुरत।
घर-आँगन की शान तुम्हीं हो,
हर सपने की उड़ान तुम्हीं हो।
सीमाएँ तुमने तोड़ी हैं,
नई दिशाएँ जोड़ी हैं।
कलम उठाई, शस्त्र उठाया,
हर क्षेत्र में नाम कमाया।
आसमान भी छोटा लगता,
जब तुमने ऊँचा लक्ष्य बनाया।
शिक्षा, विज्ञान, खेल, उड़ान,
हर जगह तुम्हारा सम्मान।
धरती से लेकर गगन तलक,
गूँज रहा है तुम्हारा मान।
आओ मिलकर वंदन करें,
हर नारी का अभिनंदन करें।
उसके सपनों को पंख दें हम,
सम्मान का उसे अंक दें हम।
नारी बिना अधूरा संसार,
उससे ही सजी हर बहार।
राष्ट्रीय महिला दिवस ये
कहता —
नारी का हो सदा सत्कार।

शिक्षिका माला कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय
महुलिया लदनिया जिला
मधुबनी 🌸

राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष
–

मैं बेटी हूँ, मैं शक्ति हूँ

–

मैं बेटी हूँ, मैं शक्ति हूँ,
मैं सपनों की अभिव्यक्ति हूँ।
नन्हे कदम सही मेरे,
पर हौसलों की भक्ति हूँ।
रोक न पाएँगी दीवारें,
ना बंदिश की कोई जंजीर।
मेरे भीतर दीप जले हैं,
हिम्मत, साहस और धीर।
किताबें मेरी सच्ची साथी,
ज्ञान मेरा श्रृंगार है।
मेहनत मेरी पहचान बनेगी,
यही मेरा संसार है।
मैं आसमान छूने निकली,
पंख मेरे विश्वास के।
डर की छाया दूर भगाऊँ,
साथ लिए उजास के।
घर-आँगन की शान भी मैं,
विद्यालय की आवाज़ हूँ।
कल के सुंदर भारत की,
मैं ही नई शुरुआत हूँ।
पेड़ लगाऊँ, जल बचाऊँ,
धरती का मान बढ़ाऊँगी।
सच, प्रेम और सेवा से,
नया इतिहास बनाऊँगी।
कमज़ोर नहीं, सक्षम हूँ मैं,
अपने सपनों की रानी।
मेरे साहस की गाथा गाए,
हर आने वाली कहानी।
आज पढ़ूँगी, कल बढ़ूँगी,
रुकना मुझे न आता है।
मैं बेटी हूँ, मैं शक्ति हूँ,
मुझसे ही जग मुस्काता है।

प्रधान शिक्षिका –
ज्योति कुमारी
प्राथमिक विद्यालय पार्षद
टोला मजगामा कस्बा
,पूर्णियाँ

हँसी के हसगुल्ले

अरविंद कुमार(शिक्षक)
NPS हसनपुरा, भभुआ
(कैमूर)

शिक्षक: भारत की सबसे खतरनाक नदी कौन हैं ?

एक छात्र: भावना

जिसमें अच्छे अच्छे बह कर डूब जाते है

प्रधान शिक्षक: यदि स्कूल के सामने कोई बम या बम जैसा समान दिखे तो क्या करेंगे?

मासूमियत से एक छोटा बच्चा: सर कुछ देर इंतजार कर उसे ऑफस में रख देंगे।

शिक्षक: इंडिया गेट कहां है ?

वर्ग 1 का छात्र: मेरे घर के बोरा में

शिक्षक: ये क्या कह रहे हो?

छात्र: हां सर मम्मी हर दिन चावल बनाती है तो कहती हैं कि इंडिया गेट वाला बोरा में से निकालो।

बालमन

रोचक गणित

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा,
नुआंव(कैमूर) बिहार

सबसे प्रारंभिक संख्या प्रणालियाँ

हजारों वर्षों से लोग अपनी उंगलियों और पैरों की उंगलियों का उपयोग करके चीजों को गिनते आ रहे हैं। कम से कम 25,000 साल पहले, लोगों ने गिनती के निशान बनाना भी शुरू कर दिया था, जिन्हें वे संख्याओं को दर्ज करने के लिए छड़ी या पत्थर की पट्टिका पर निशान बनाते थे।

गिनती के विकास का इतिहास:

प्रागैतिहासिक काल (लगभग 30,000-400,000 वर्ष पूर्व): आदिमानव द्वारा शिकार या वस्तुओं को गिनने के लिए हड्डियों, लकड़ियों या गुफाओं की दीवारों पर निशान (Tally Marks) लगाने की शुरुआत हुई।

प्राचीन सभ्यताएं (लगभग 3000-1000 ईसा पूर्व)

बेबीलोन: 60 के आधार (Sexagesimal) वाली प्रणाली का उपयोग करते थे।

मिस्र: 10 के आधार पर आधारित चित्रलिपि (Hieroglyphics) का उपयोग

रोमन: अक्षरों (I, V, X, L, C, D, M) पर आधारित प्रणाली।

भारतीय योगदान (भारतीय अंक प्रणाली):भारत में अंक प्रणाली का विकास हुआ, जिसमें शून्य (0) का आविष्कार अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। ब्राह्मी लिपि से अंकों का विकास 600 ई.पू. के आसपास शुरू हुआ। यह प्रणाली 10 के आधार (Decimal system) पर आधारित है, जो गणना को सरल बनाती है।

हिंदू-अरबी प्रणाली का प्रसार: भारतीय अंकों (1-9 और 0) को अरब देशों ने अपनाया और बाद में अरबों के माध्यम से यह यूरोप में फैली, जिसे "हिंदू-अरबी अंक प्रणाली" कहा गया।

हिंदी गिनती: हिंदी में गिनती संस्कृत के 'षष्टिः' (60), 'असीति' (80) जैसे शब्दों से विकसित हुई है। आज जो हम 0-9 तक के अंक उपयोग करते हैं, वे भारतीय अंक प्रणाली का ही आधुनिक रूप हैं।

बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

अर्णव पाठक,वर्ग - 4
मध्य विद्यालय सुखासन कोठी, बी कोठी, पूर्णिया

मदरसा फैजआम उर्दू प्राथमिक विद्यालय
नया बाजार बक्सर
आईका नबत, वर्ग 3

UMS Makhdumabad
Arwal

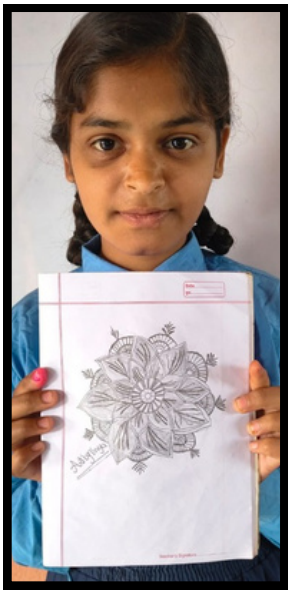

Ums aslan Rampur
gadhani bhojpur

संतोषी कुमारी , वर्ग 1
नव प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला, कलगीगंज, कहलगाँव, भागलपुर

NPS SUKHASAN NORTH
HARIJAN TOLA MADHEPURA

हिमांशु कुमार वर्ग 6
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुधरा

UMS फुलवरिया घंघटी, चकिया, पूर्वी चंपारण

कुछ कलाकारी इस तरह भी

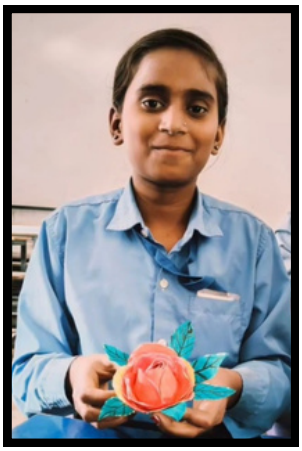

मध्य विद्यालय शर्फुद्दीनपुर बोचहा ,मुजफ्फरपुर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

stay safe

माह: February 2026

प्रथम शनिवार दिनांक 07.02.2026	भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)
द्वितीय शनिवार दिनांक 14.02.2026	कुपोषण से होनेवाली परेशानियां एवं उसके समाधान के सन्दर्भ में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 21.02.2026	(जलवायु परिवर्तन) जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों का संरक्षण के सन्दर्भ में जानकारी
चतुर्थ शनिवार दिनांक 28.02.2026	(जलवायु परिवर्तन) जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधों का संरक्षण

माह: MARCH 2026

प्रथम शनिवार दिनांक 07.03.2026	अगलगी से खतरे एवं बिजली के घात से बचाव के संदर्भ में जानकारी।
द्वितीय शनिवार दिनांक 14.03.2026	चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं इससे बचाव के बारे में जानकारी
तृतीय शनिवार दिनांक 21.03.2026	भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)
चतुर्थ शनिवार दिनांक 28.03.2026	मस्तिष्क ज्वर, AES/JE से बचाव के बारे में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

प्राथमिक विद्यालय माही साइडिंग,सारण

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी, कटिहार

प्राथमिक विद्यालय खरांटी कुतबी पटना

प्राथमिक विद्यालय गोरौल चकव्यास, वैशाली

बालमन कार्टून स्टोरी

काम करने के बाद रोते हुए सोचती है...

दूसरे दिन सहेली से बात साझा करने पर

अगले दिन

इस तरह से शादी रुक जाती है और बेटी को पढ़ने और अपने सपने पूरे करने का अवसर मिल जाता है।अब वह बहुत खुश है।

चित्रकार :कुमारी कांति
संवाद : धीरज कुमार

ब्लैक बोर्ड आर्ट

बालमन

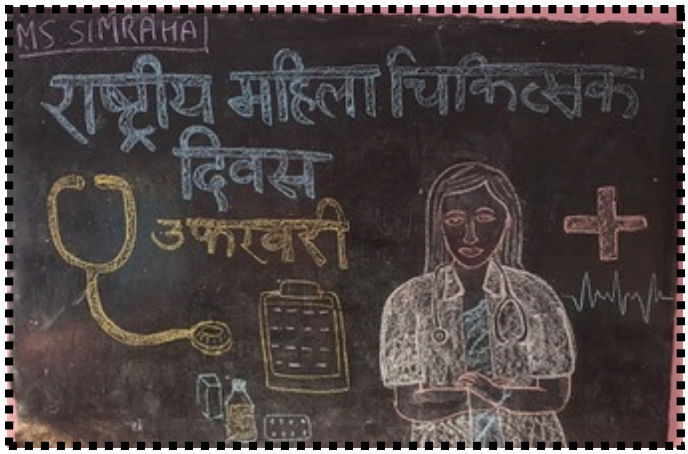

मध्य विद्यालय सिमराहा, फ़ारबिसगंज, अररिया

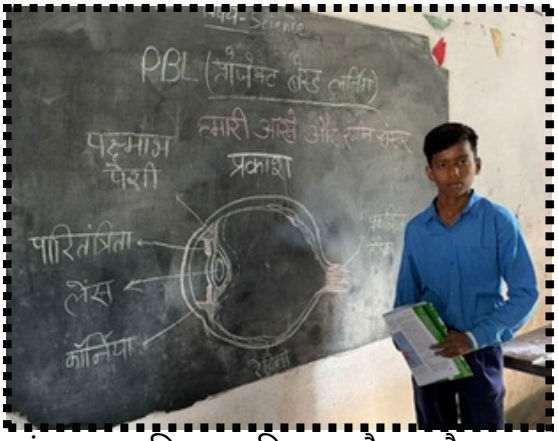

संस्कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चैनपुर, कैमूर

UMS छोटका कटरा, मोहनिया, कैमूर

मध्य विद्यालय सिमराहा, फ़ारबिसगंज, अररिया

NPS SUKHASAN NORTH HARIJAN TOLA MADHEPURA

अभ्यास मध्य विद्यालय शेखपुरा

P.s patiya Akhlashpur,Bhabua, kaimur

Middle school maheshaamunda hindi kahalgaon

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान पूर्णिया

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैजनाथ, रामगढ़, कैमूर

तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब

कुमार राकेश मणि

भारत अपने कई आश्चर्यजनक और पौराणिक आध्यात्मिक स्थलों के लिए जाना जाता है जिन्होंने सदियों से भक्तों के दिलों और आत्माओं को मोहित किया है। गुरुद्वारों के बारे में, पंज तख्त आपके यात्रा कार्यक्रम के शीर्ष पर होना चाहिए। पंज तख्त का अनुवाद "पाँच सिंहासन" है, जिसमें पांच गुरुद्वारे शामिल हैं जो सिख धर्म के भीतर अपने धार्मिक महत्व के लिए जाने जाते हैं। विश्वास के अनुयायियों के लिए, जीवन में कम से कम एक बार इन सभी तीर्थ स्थलों पर जाना अनिवार्य माना जाता है।

तख्त श्री हरमदिर जी पटना साहिब, बिहार की राजधानी पटना में स्थित सिखों के पांच प्रमुख तख्तों (पवित्र धार्मिक सीटों) में से एक अत्यंत पवित्र गुरुद्वारा है। यह दसवें सिख गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी की जन्मस्थली (1666) है। सफेद संगमरमर से निर्मित यह गुरुद्वारा, जिसे महाराजा रंजीत सिंह ने बनवाया था, गुरु गोविंद सिंह जी से संबंधित पुरानी वस्तुओं को सुरक्षित रखता है।

इस पवित्र गुरुद्वारा के केंद्र में श्रद्धेय श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का जन्मस्थान है, जो दसवें सिख गुरु थे, जिनके अटूट साहस, ज्ञान और भक्ति की विरासत ने अनुयायियों की पीढ़ियों को प्रेरित किया है।

19वीं शताब्दी की शुरुआत में सिख साम्राज्य के पहले महाराजा, दूरदर्शी महाराजा रंजीत सिंह द्वारा निर्मित किए गए, तख्त श्री पटना साहिब ने समय के बीतने, इसकी कालातीत भव्यता और आध्यात्मिक सार का सामना किया है जो सदियों से स्थायी है। आज, यह मंदिर अनगिनत साधकों को आकर्षित कर रहा है जो श्रद्धेय गुरु को श्रद्धांजलि देने आते हैं।

• पवित्र अवशेष: यहाँ बाल गोविंद राय के बचपन के पालने (पंगुरा), लोहे के चार तीर, एक तलवार, और उनकी पादुकाएँ (जूते) सुरक्षित रूप से रखी गई हैं।

• संग्रहालय: गुरुद्वारे के अंदर एक संग्रहालय है, जिसमें सिखों से संबंधित ऐतिहासिक वस्तुएं और पवित्र ग्रंथ हैं।

• लंगर: गुरुद्वारे में एक विशाल लंगर हॉल है, जहाँ सभी भक्तों के लिए नि:शुल्क भोजन (लंगर) परोसा जाता है।

गुणकारी फल

अनार

हमारे जीवन को स्वस्थ बनाने के लिए एक अच्छी डाइट और लाइफस्टाइल बहुत ज़रूरी है। अगर बात करें डाइट की तो आपने देखा होगा की फल एक संतुलित और हेल्थी डाइट का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपने सुना होगा कि हमारे घरों में हमेशा यही कहा जाता है - "फल रोज़ खाओ, स्वस्थ रहो।" बच्चो से लेकर बुज़र्गो तक, फल सबके लिए बेहद ज़रूरी हैं। इन फलों में एक ऐसा फल अनार है जो अपने रंग, स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है।

अनार (pomegranate) किसे पसंद नहीं है। अनार का छिलका जितना कठोर होता है, अंदर उतना ही स्वादिष्ट, और मीठा फल होता है। किसी भी व्यक्ति को, कोई भी रोग हो जाए, लोग उन्हें सबसे पहले अनार के सेवन की सलाह ही देते हैं। डॉक्टर भी कमजोरी दूर करने के लिए, या इलाज के बाद स्वास्थ्य लाभ पाने के दौरान, रोगी को अनार खाने के लिए बोलते हैं।

आयुर्वेद में अनार को बहतु ही चमत्कारिक फल बताया गया है, और यह भी बताया गया है कि, इसके इस्तेमाल से कई सारी बीमारियों को ठीक किया जा सकता है। केवल अनार फल ही नहीं, बल्कि पूरा वृक्ष ही औषधीय गुणों से भरपूर होता है।

रोजाना एक अनार खाना स्वास्थ्य के लिए एक संजीवनी की तरह है। यह आयरन, विटामिन C, K और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाकर एनीमिया दूर करता है, दिल की नसों को साफ कर ब्लड प्रेशर नियत्रित करता है और पाचन को दुरुस्त रखता है। इसके सेवन से इम्यूनिटी बढ़ती है, त्वचा में प्राकृतिक निखार आता है और सूजन (inflammation) कम होती है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

एक नजर इधर भी...

WOW!

प्राथमिक विद्यालय नवानगर कोचस रोहतास

प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कस्बा पूर्णियाँ

MS Sikthi ujari Bhabua kaimur

NPS भनखनपुर, मोहनिया, कैमूर

शिक्षक ड्रेस कोड

न्यू प्राथमिक विद्यालय हसनपुरा, भभुआ, कैमूर

UMS करमा और न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़ भभुआ, कैमूर का संयुक्त प्रयास (समाचार पत्र वाचन)

न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़, भभुआ, कैमूर

कहना जरूरी हैं....

कम नंबर या परीक्षा में असफलता के कारण छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारणों में अत्यधिक मानसिक दबाव, माता-पिता की ऊँची उम्मीदें, भविष्य को लेकर डर और निराशा की भावना शामिल है। यह स्थिति छात्रों में अकेलेपन और असहायता को बढ़ाती है, विशेषकर जब वे खुद को बोझ समझने लगते हैं।

अभी हाल में Jee mains का परिणाम आया और कुछ असफल बच्चों के द्वारा इस तरह का कृत्य करने का समाचार सुनने को मिला जो अत्यंत दु:खद था। इस माह में होने वाली सीबीएसई मैट्रिक की परीक्षा में गणित का पेपर थोड़ा जटिल आया। 5-10 अंक का कम गणित क्या बच्चों से छुट गया बच्चे तनाव में आ गए साथ ही उनके अभिभावकों ने पहाड़ सर पर उठा लिया।

हो क्या गया है आजकल इन अभिभावकों को? चाहते क्या हैं वे अपने बच्चों से? इस प्रतियोगिता वाले युग में अगर किसी विषय में कुछ अंक कम ही बच्चो को मिल जाय तो क्या होगा। मेरे समझ से ये वही अशिक्षित अभिभावकों का फ़ौज है जो शायद अपने जीवन में स्वयं कोई बड़ी उपलब्धि तो नहीं पा सके पर बच्चे पर पूरा दबाव बना कर रखेंगे की तुमको ये करना है।

आजकल साधारण घर के बच्चे, गरीब परिवार के बच्चे बड़ी बड़ी परीक्षा में सफल हो रहे हैं और सम्पन्न परिवार के बच्चे असफल होकर आत्महत्या कर रहे हैं इसका एकमात्र कारण है मानसिक दबाव। साधारण बच्चे बिना दबाव के पढ़ते हैं क्योंकि उनको सुविधा न के बराबर मिलती है जिससे उन्हें कुछ भी खोने का भय नहीं रहता है। थोड़े से सम्पन्न घर के बच्चों पर कोचिंग या अन्य सुविधा में व्यय किये गए राशि का तनाव जो बार बार अभिभावकों के द्वारा एहसास कराया जाता हैं का होता है।

इसलिए अब इसको दूर करना जरूरी हो गया है। हमें बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ साथ उन्हें शिक्षा को वास्तविक जीवन से जोड़ने हेतु प्रेरित करने का काम करना होगा। प्रशंसा, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण, स्पष्ट लक्ष्य, और एक सहायक वातावरण (शिक्षक का साथ) के माध्यम से उनके आंतरिक प्रेरणा को जगाना होगा। जिससे छात्र असफलता से न डरकर, चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रोत्साहित हो सकें।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव (कैमूर)

विश्व के धरोहर

मोइदम(असम)

मोइदम (Moidam) असम के चराइदेव जिले में स्थित प्राचीन राजकीय समाधियाँ (Burial Mounds) हैं। हाल ही 2024 में असम के चराइदेव स्थित मोइदम को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल होने वाला भारत का 43वां स्थल है जो उत्तर-पूर्व भारत का पहला सांस्कृतिक विश्व धरोहर स्थल बन गया है। 13वीं-19वीं शताब्दी के दौरान निर्मित, ये 700 साल पुराने टीलेनुमा शाही कब्रगाह अहोम राजवंश की दफन प्रणाली का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें 'असम का पिरामिड' भी कहा जाता है।

चराइदेव मोईदाम असम में शासन करने वाले अहोम राजवंश के सदस्यों के नश्वर अवशेषों को दफनाने की प्रक्रिया थी। राजा को उनकी सामग्री के साथ दफनाया जाता था। चराईदेव मोईदाम पूर्वोत्तर भारत का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है। इन प्राचीन दफन टीलों का निर्माण 13वीं से 19वीं शताब्दी के दौरान अहोम राजाओं ने कराया था।

घास के टीलों जैसे दिखने वाले चराईदेव मोईदाम को अहोम समुदाय पवित्र मानता है। प्रत्येक मोईदाम को एक अहोम शासक या गणमान्य व्यक्ति का विश्राम स्थल माना जाता है। यहां उनके अवशेषों के साथ-साथ मूल्यवान कलाकृतियां और खजाने संरक्षित हैं। मोईदाम असमिया पहचान और विरासत की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है। ये गौरवशाली अहोम संस्कृति को प्रदर्शित करते हैं, जो पूर्वजों के प्रति अत्यधिक श्रद्धा रखती है।

कुमार राकेश मणि (प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय कोटा, नुआंव, कैमूर

बोलती तस्वीरें Part 1

पुष्पा प्रसाद

पीएम श्री मध्य विद्यालय शिवगंज, डेहरी, रोहतास

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

मध्य विद्यालय सिमराहा, फारबिसगंज, अररिया

कम्पोजिट विद्यालय राजापुर
ब्लॉक - गुरसराय जनपद - झाँसी (उत्तर प्रदेश)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर

उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोरिया, चांदन, बांका

प्राथमिक विद्यालय नारायणपट्टी, महाराजगंज, राजनगर, मधुबनी

प्राथमिक विद्यालय मोगलवा, झाझा, जमुई

बालमन QUIZ TIME

१.प्रश्न: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की पुण्यतिथि कब मनाया जाता हैं?

क. 28 जनवरी ख. 24 मार्च ग. 28 फरवरी घ. 31 मार्च

२.प्रश्न: काकोरी कांड" का नेतृत्व किसने किया था?

क. रामप्रसाद बिस्मिल ख. महात्मा गांधी

ग. सरदार वल्लभ भाई पटेल घ. रौशन गुप्ता

३.प्रश्न: इंडियन इंस्टीट्यूट आफ वेजिटेबल रिसर्च कहां है ?

क. पटना ख.वाराणसी

ग. अहमदाबाद घ. हैदराबाद

४.प्रश्न:"इंकलाब जिंदाबाद" का नारा किसने दिया था?

क. भगत सिंह ख. चंद्रशेखर आजाद

ग. खुदीराम बोस घ. मौलाना अबुल कलाम आजाद

सही उत्तर: १. ग,२. क, ३.ख ,४. क

दिमाग की बत्ती जलाओ

1

7 और 8 के बीच आप क्या रख सकते हैं जिससे परिणाम 7 से बड़ा हो, लेकिन 8 जितना बड़ा न हो?

2

मै एक ऐसी संख्या हूं जो अभाज्य संख्या भी और एक सम संख्या भी हूं ।बताओ मैं कौन सी संख्या हूं?

सही उत्तर: 1=दशमलव(.) 2= दो (2)

बालमन

बूझो तो जानें

पहेली संख्या 1

कैलाश पर्वत पर है निवास
डमरू,त्रिशूल और गले में सांप
पहचान करना है आसान,
देव और दानव दोनों के है खास

सही उत्तर : भगवान शिव

पहेली संख्या 2

गोल है पर गेंद नहीं, पूंछ है पर
पशु नहीं,
बड़ा हूं पर भारी नहीं,बूझो मै
कौन हूं ?

सही उत्तर : गुब्बारा

पहेली संख्या 3

: काला घोड़ा, सफेद
सवारी, एक उतरा तो
दूसरी की बारी?

सही उत्तर : तवा सुर रोती

पहेली संख्या 4

साफ होने पर काला और गंदा
या भरे होने पर सफेद होता हूं।
मैं कौन हूं बूझो तो जाने?

सही उत्तर : श्यामपट्ट/ब्लैकबोर्ड

बोलती तस्वीरें

part 2

पुष्पा प्रसाद +धीरज कुमार

प्राथमिक विद्यालय नौला, मुसहरी, वीरपुर, बेगूसराय

मध्य विद्यालय गौसाघाट, दरभंगा

प्राथमिक विद्यालय मानपुर, विक्रमगंज, रोहतास

UMS छोटका कटरा, मोहनिया, कैमूर

कबाड़ से जुगाड़..
प्राथमिक विद्यालय पार्षद टोला मजगामा कसबा पूर्णियाँ

नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बेनीपुर, वैशाली

राजकीय माध्यमिक विद्यालय अजराना खुर्द , कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

P s sc fatehpur patna sadar

मध्य विद्यालय बलुआ, मनेर, पटना

प्राथमिक विद्यालय मिर्धाचक आदिवासी टोला
कहलगांव,भागलपुर

राजकीय प्राथमिक मकतब कबई नयाटोल प्रखंड-विद्यापतिनगर, जिला-समस्तीपुर

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, पूर्णिया

मध्य विद्यालय सिमराहा फ़ारबिसगंज ,अररिया

बालमन कविता

वसन्त ऋतु

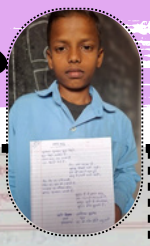

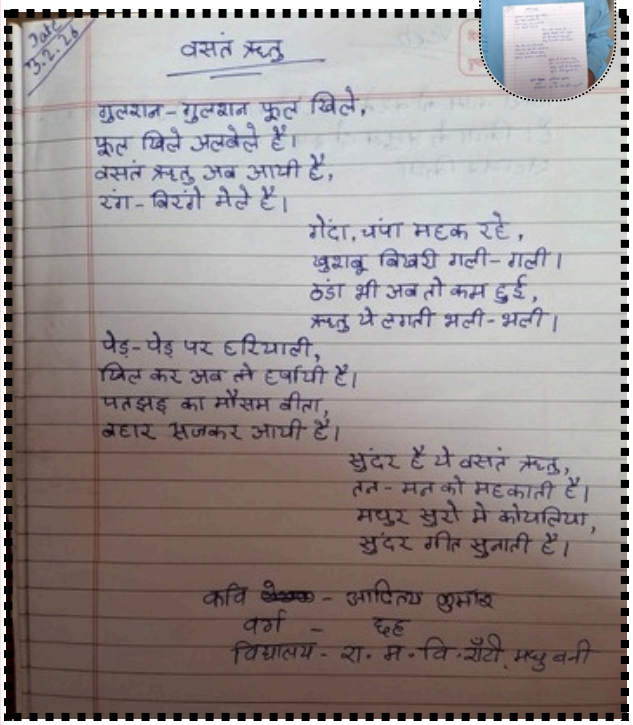

3.2.26

वसंत ऋतु

गुलशन-गुलशन फूल खिले,
फूल खिले अलबेले हैं।
वसंत ऋतु अब आयी है,
रंग-बिरंगे मेले हैं।

गेंदा, चंपा महक रहे,
खुशबू बिखरी गली-गली।
ठंडा भी अब तो कम हुई,
ऋतु ये लगती भली-भली।

पेड़-पेड़ पर हरियाली,
खिल कर अब तो हर्षायी हैं।
पतझड़ का मौसम बीता,
बहार सजकर आयी है।

सुंदर है ये वसंत ऋतु,
तन-मन को महकाती है।
मधुर सुरो मे कोयलिया,
सुंदर गीत सुनाती है।

कवि - आदित्य कुमार
वर्ग - छह
विद्यालय - रा. म. वि. रौटी, मधुबनी

शिक्षक: बचपन की ओर

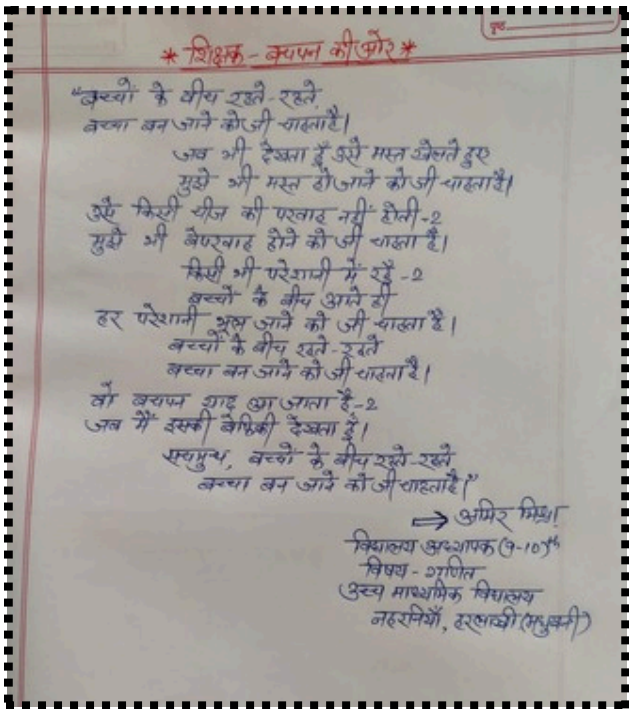

* शिक्षक - बचपन की ओर *

"बच्चों के बीच रहते-रहते,
बच्चा बन जाने को जी चाहता है।
जब भी देखता हूँ उसे मस्त खेलते हुए
मुझे भी मस्त हो जाने को जी चाहता है।
उन्हें किसी चीज की परवाह नहीं होती-2
मुझे भी बेपरवाह होने को जी चाहता है।
किसी भी परेशानी में रहूँ-2
बच्चों के बीच आते ही
हर परेशानी भूल जाने को जी चाहता है।
बच्चों के बीच रहते-रहते
बच्चा बन जाने को जी चाहता है।
वो बचपन याद आ जाता है-2
जब मैं उसकी बेफिक्री देखता हूँ।
सचमुच, बच्चों के बीच रहते-रहते
बच्चा बन जाने को जी चाहता है।"

⇒ अमित मिश्रा
विद्यालय अध्यापक (9-10)
विषय - गणित
उच्च माध्यमिक विद्यालय
नहरनियाँ, हरलाखी (मधुबनी)

हमारे देश की पहचान

यहां का पहनावा अलग है और अलग है भेष।
वह कोई और नहीं अपना है भारत देश।।
यह एशिया के दक्षिण मे स्थित है।
अपने समृद्ध विरासत के लिए प्रसिद्ध है ।।
यहां हर कण में बसा हुआ है नैतिकता ।
ऊर्जा जल वन संसाधनों की है अधिकता ।।
यह लोकतंत्र का बड़ा उदाहरण है।
इसका सविधान हर समस्या का निवारण है।।
यहां पाई जाती है संस्कृति में विविधता।
यहां हर धर्म के प्रति है समानता।।
यहां की सभ्यता है बड़ी प्राचीन। हर जगह है हरियाली बंजर नहीं जमीन।।
पहाड़ झूमे नदिया गाये।
यह विश्व गुरु कहलाए ।
हिंदुस्तान और आर्यावर्त अपना अन्य नाम बताएं।।
एक समय था जब यह सोने की चिड़िया कहलाये ।।
यहां का राष्ट्रीय फूल है कमल।
यह कहलाए देवो का स्थल ।।
यहां के वीरों ने मिलकर अपना योगदान दिया।
उन्होंने भारत देश को एक नया पहचान दिया ।।
विश्व में भारत ने सातवां स्थान प्राप्त किया ।
अब मैंने इस कविता को यहीं समाप्त किया।।

मुस्कान गुप्ता, वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौरा,
मोहनिया (कैमूर)

बालमन

चेतना सत्र

न्यू प्राथमिक विद्यालय हरनाटांड़, भभुआ कैमूर

प्राथमिक विद्यालय माहिसेडिंग , सोनपुर,सारण

उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमा, भभुआ, कैमूर

UMS फुलवरिया घंघटी, चकिया, पूर्वी चंपारण

मध्य विद्यालय दुर्गा स्थान, खजांची हाट, पूर्णिया

NPS साहू टोला, बांध के पास , जमुनिया, चकिया, पूर्वी चंपारण

आओं सीखें तुकांत शब्द

मोर

शोर, चोर

आम

काम, नाम

फूल

धूल, शूल,

घर

पर, सर

पानी

नानी, रानी

नल

जल, थल

आलू

भालू, लालू

माला

ताला, जाला

बालमन

मन की बात

‘बालमन’ पत्रिका के माध्यम से प्रधान संपादक धीरज कुमार जिस समर्पण, संवेदनशीलता और रचनात्मकता के साथ बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान कर रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है। यह पत्रिका केवल शब्दों और सृजन का संकलन नहीं, बल्कि नन्हें सपनों की उड़ान है—जहाँ बालमन की कल्पनाएँ, जिज्ञासाएँ और अभिव्यक्तियाँ आकार लेती हैं।

आपके कुशल संपादन और मार्गदर्शन में ‘बालमन’ शिक्षा, संस्कार और सृजनशीलता का सुंदर संगम बनकर उभर रही है। यह पहल न केवल बच्चों को लिखने-पढ़ने के लिए प्रेरित करती है, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों को भी उनके भीतर छिपी प्रतिभा पहचानने का अवसर देती है।

आपका प्रयास निश्चित ही आने वाली पीढ़ी के आत्मविश्वास को नई दिशा देगा। ईश्वर से कामना है कि ‘बालमन’ निरंतर प्रगति करे और शिक्षा जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखे।

नन्हीं कलियों की खुशबू से महके हर पन्ना आज,
सपनों को मिल गया जैसे अपना सच्चा समाज।
धीरज जी के संपादन से सजा है ज्ञान
जहाँ कल्पना को मिलती है नई उड़ान,
वहीं से शुरू होता है बच्चों का आसमान।
बालमन में बसती है उजली सी रोशनी,
जो कल के भारत की बनेगी पहचान.....
सादर शुभकामनाओं सहित!

पुष्पा प्रसाद
(शिक्षिका)
राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
(गोपालगंज)

बालमन

कहानी

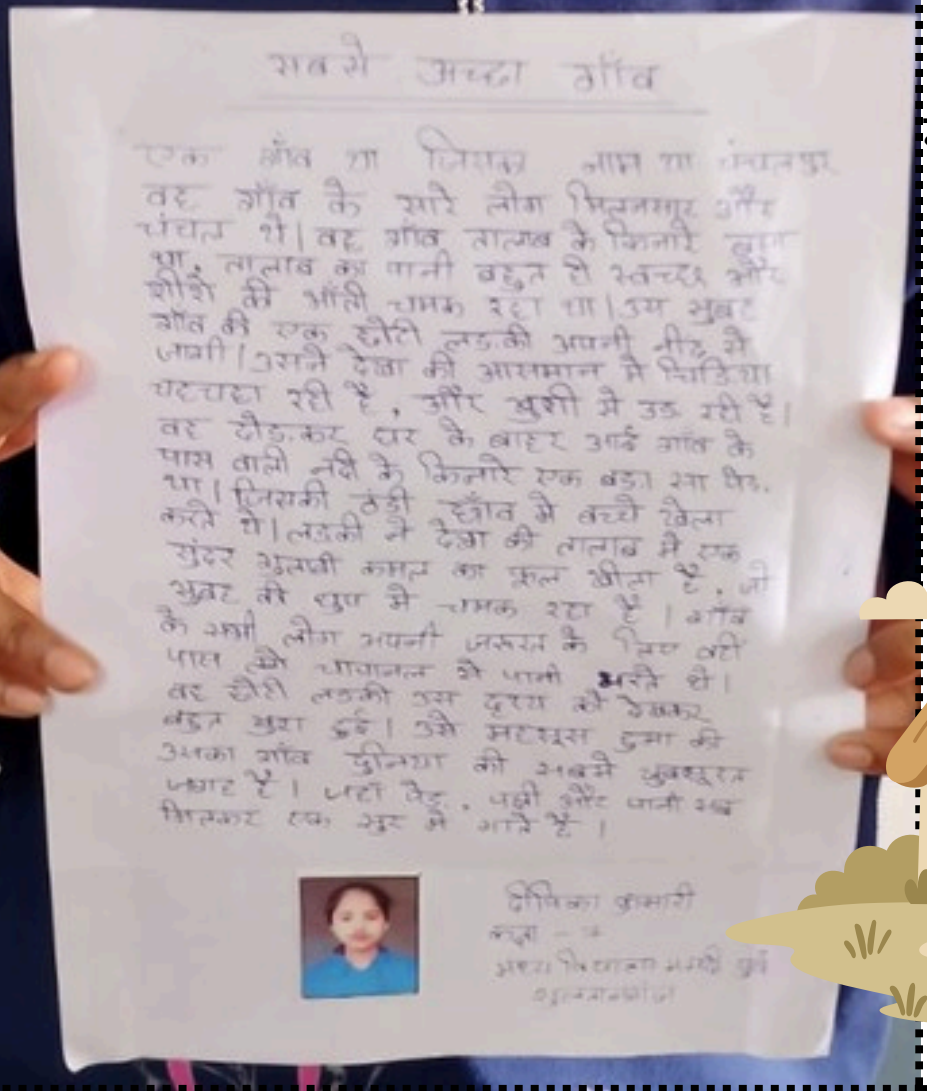

सबसे अच्छा गांव

दीपिका कुमारी,वर्ग 7
मध्य विद्यालय मसदी पूर्व
सुल्तानगंज (भागलपुर)

बालमन जानकारी

General knowledge

1. भारत की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कब हुई थी?
   - उत्तर: 1857 ईस्वी
2. मौर्य वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था?
   - उत्तर: अशोक
3. दिल्ली सल्तनत का संस्थापक कौन था?
   - उत्तर: कुतुब-उद-दीन ऐबक
4. पानीपत की पहली लड़ाई कब हुई थी?
   - उत्तर: 1526 ईस्वी (बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच)
5. शिवाजी महाराज की राजधानी कहाँ थी?
   - उत्तर: रायगढ़

WORD MEANING

Personality	पर्सनैलिटी	→	व्यक्तित्व
Honest	ऑनस्ट	→	ईमानदार
Brave	ब्रेव	→	बहादुर
Smart	स्मार्ट	→	चतुर/स्मार्ट
Kind	काइंड	→	दयालु
Polite	पोलाइट	→	विनम्र
Friendly	फ्रेंडली	→	मिलनसार
Hardworking	हार्डवर्किंग	→	मेहनती
Creative	क्रिएटिव	→	रचनात्मक
Confident	कॉन्फिडेंट	→	आत्मविश्वासी
Calm	काम	→	शांत
Funny	फ़नी	→	मज़ेदार/हास्यपूर्ण
Helpful	हेल्पफुल	→	मददगार
Patient	पेशन्ट	→	धैर्यवान
Strong	स्ट्रॉन्ग	→	मजबूत
Active	एक्टिव	→	सक्रिय
Lazy	लेज़ी	→	आलसी
Rude	रूड	→	अभद्र
Selfish	सेल्फिश	→	स्वार्थी
Shy	शाय	→	शर्मीला
Wise	वाइज़	→	बुद्धिमान
Gentle	जेंटल	→	सौम्य/कोमल

- **प्रश्न:** सबसे बड़ा महाद्वीप कौन सा है? **उत्तर:** एशिया।
- **प्रश्न:** विश्व की सबसे लंबी नदी कौन सी है? **उत्तर:** नील नदी।
- **प्रश्न:** किस ग्रह को 'लाल ग्रह' कहा जाता है? **उत्तर:** मंगल ग्रह।
- **प्रश्न:** उगते सूरज की भूमि के रूप में किस देश को जाना जाता है? **उत्तर:** जापान।
- **प्रश्न:** विश्व का सबसे बड़ा महासागर कौन सा है? **उत्तर:** प्रशांत महासागर।
- **प्रश्न:** 1857 के विद्रोह का नेतृत्व ग्वालियर से किसने किया था? **उत्तर:** तात्या टोपे।
- **प्रश्न:** 'लावणी' किस राज्य का लोक नृत्य है? **उत्तर:** महाराष्ट्र।
- **प्रश्न:** नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किसने की थी? **उत्तर:** कुमारगुप्त प्रथम।

Computer

- **प्रश्न:** कंप्यूटर साक्षरता दिवस कब मनाया जाता है?
  - **उत्तर:** 2 दिसंबर।
- **प्रश्न:** विश्व का पहला वेब ब्राउज़र कौन सा था?
  - **उत्तर:** वर्ल्डवाइडवेब (WWW), जो बाद में नेक्सस (Nexus) बना।
- **प्रश्न:** URL का क्या अर्थ है?
  - **उत्तर:** यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर (Uniform Resource Locator)।
- **प्रश्न:** एक बाइट में कितने बिट होते हैं?
  - **उत्तर:** 8 बिट।

* **प्रश्न:** * लौह पुरुष किसे कहा जाता है?
* **उत्तर:** * *सरदार वल्लभभाई पटेल*
* **प्रश्न:** * मिसाइल मैन ऑफ इंडिया कौन थे?
* **उत्तर:** * *डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम*
* **प्रश्न:** * भारत की नाइटिंगेल किसे कहा जाता है?
* **उत्तर:** * *सरोजिनी नायडू*
* **प्रश्न:** * राष्ट्रपिता किसे कहा जाता है?
* **उत्तर:** * *महात्मा गांधी*

पूजा ओझा (शिक्षिका)
मध्य विद्यालय बिलौटी, शाहपुर, भोजपुर

बालमन कहानी

छोटा प्रयास बड़ा बदलाव

एक बार की बात है. एक बड़े गांव के पास में बहुत बड़ा जंगल था। उसमें विभिन्न प्रकार के जानवर रहते थे, लेकिन उसी जंगल में एक छोटा सा कबूतर भी रहा करता था । सभी जानवर कबूतर से बहुत बड़े और शक्तिशाली भी थे लेकिन सभी जानवर उसी घने जंगल में रहते थे साथ ही एक ही तलाब से पानी पीते थे, लेकिन एक रात अचानक उसी घने जंगल में आग लग जाती हैं, सभी जानवर उसी जंगल में इधर- उधर भागने लगते है, लेकिन उस कबूतर ने अपने छोटे- छोटे बच्चे को लेकर दूसरे घने जंगल में रख आती है और अपनी चोंच से पानी भरकर उस आग को बुझाने लगता है, उस कबूतर को देखकर और बहुत सारे कबूतर भी उस आग को बुझाने लगे। आखिरकार उस आग को बुझा दिए और उस वन को नष्ट होने से बचा लिए ।

सीख : छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते है, इसलिए कभी-भी हार नहीं माननी चाहिए।

हिमांशु कुमार
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय असलान रामपुर गड़हनी भोजपुर

पढ़ाई का महत्व

मदनपुर गाँव में अनन्या नाम की एक लड़की रहती थी जो पढ़ाई के महत्व को नहीं समझती थी और हमेशा अपना समय व्यर्थ करती थी ।

एक बार उसके स्कूल मे टीचर नें बोला कि आप अपने आस- पास ,घर- खेत ठीक से देखिए और सोचिए कि कौन सा काम कठिन है ।कुछ समय बाद जब अनन्या ने चिलचिलाती धूप में खेत में काम करते मजदूर को देखा, चूल्हा जलाने के लिए लकड़ी काटने के लिए कुल्हाड़ी चलाते हुए इंसान को देखा, 20 लोगों का खाना अकेले बनाते हुए अपनी पडोस की चाची कों देखा तो अनन्या को समझ आ गया कि पढ़ाई इन सभी कामों से जादा आसान है फिर क्या उसने समय व्यर्थ करना छोड़ दिया और मन लगाकर पढ़ने लगी।

सब मिलकर बोलो -
समय व्यर्थ करना छोड़ो
और पढ़ाई से नाता जोड़ो

अनन्या कुमारी
क्लास - 6
मध्य विद्यालय मदनपुर
भोजपुर

Teachers Of Bihar

आओं सीखें

आवेदन (Application)

आवेदन वह पत्र होता है जिसमें किसी व्यक्ति या संस्था से अनुमति, सहायता, सुविधा या किसी कार्य के लिए निवेदन किया जाता है।इसमें निवेदन या अनुरोध किया जाता है।भाषा विनम्र और प्रार्थनात्मक होती है। यह आमतौर पर अधिकारी, प्रधानाचार्य, कार्यालय या संस्था को लिखा जाता है। अंत में प्रार्थना या आशा व्यक्त की जाती है।

उदाहरण:

"महोदय, निवेदन है कि मुझे 2 दिन की छुट्टी प्रदान करने की कृपा करें।"

प्रतिवेदन (Report)

प्रतिवेदन किसी घटना, कार्य, कार्यक्रम या जाँच के बारे में तथ्यों के आधार पर जानकारी देने वाला लेख होता है। इसमें किसी घटना या कार्य का विवरण दिया जाता है। भाषा स्पष्ट, तथ्यात्मक और निष्पक्ष होती है। इसमें निवेदन नहीं होता, केवल जानकारी होती है।अक्सर विद्यालय, कार्यालय या समाचार के रूप में लिखा जाता है।

उदाहरण:

"दिनांक 5 मार्च को विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी छात्रों ने भाग लिया।"

संक्षेप में :-

- आवेदन = किसी से अनुरोध करने के लिए लिखा जाता है।
- प्रतिवेदन = किसी घटना या कार्य की जानकारी देने के लिए लिखा जाता है।

www.teachersofbihar.org

जनवरी 2026 का बालमन पत्रिका पढ़ने के लिए क्लिक करे।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे।

Teachers of Bihar: +917250818080
Dhiraj Kumar : +91 9431680675
teachersofbihar@gmail.com
www.teachersofbihar.org

ToB बालमन के व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR कोड को स्कैन करे या क्लिक करे।